URW1A7C

संकलित परीक्षा – I (2014)

हिन्दी 'अ'

कक्षा – X

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड-क
(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—** 5

वस्तुत: क्रोध एक नकारात्मक भाव है। इस तरह के नकारात्मक भावों से मनुष्य के रिश्तों में दरार पड़ जाती है। यह सच है कि क्रोध का प्रारंभ चाहे मूर्खता से ही क्यों न हुआ हो पर उसका अंत पश्चाताप से होता है। हम सब कुछ जानते हुए भी इससे स्वयं को दूर नहीं रख पात। यदि हम इस पर पूरा नियंत्रण नहीं कर सकते हैं तो भी उसे रचनात्मक बनाकर इससे होने वाली बीमारियों और हानियों से तो बच सकते हैं। यदि किसी पर क्रोध आए तो उसी क्षण उस व्यक्ति की हास्यास्पद तस्वीर मन में बना लें या किसी चुटकुले का पात्र हो उसे बना दें और पेन तथा डायरी लेकर कुछ भी लिखने बैठ जाएँ। कुछ न बने तो आड़ी-तिरछी रेखाएँ ही खींच लें। धीरे-धीरे कलात्मकता नज़र आएगी। विचारों को कविता या लेख में ढालने का प्रयत्न करें। इससे आप अपने जीवन की लंबी दौड़ में अधिक सुखी और स्वस्थ रह सकते हैं।

(i) मनुष्य को अधिक स्वस्थ तथा सुखी रहने के लिए आवश्यक है कि वह —

(क) प्रतिदिन चिंतन करे। (ख) रोज व्यायाम करे।

(ग) क्रोध पर नियंत्रण करे। (घ) आवश्यकतानुसार ही क्रुद्ध हों।

(ii) रिश्तों में दरार डालने वाले भावों में से एक भाव है —

(क) अहंकार (ख) वाचालता (ग) क्रोध (घ) नासमझी

(iii) हमारे द्वारा किए गए क्रोध का अंत होता है —

(क) विरोध से। (ख) विद्वेश से।

(ग) पश्चाताप से। (घ) क्षमा-याचना से।

(iv) ''आड़ी-तिरछी'' में समास है —

(क) द्वंद्व समास (ख) तत्पुरुष समास

(ग) बहुब्रीहि समास (घ) अव्ययीभाव समास

(v) 'नकारात्मक' का विपरीतार्थक है —

(क) स्वीकारात्मक (ख) सुकारात्मक

(ग) सकारात्मक (घ) आशाजनक

2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—** 5

अनुशासनबद्धता मानव-जीवन के मार्ग में बाधक नहीं अपितु उसको पूर्ण उन्नति तक पहुँचाने के लिए अनुकूल अवसर प्रदान करती है। अनुशासन के बिना तो मानव-जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

विद्यार्थी जीवन में तो अनुशासन का बहुत महत्व है। आज अनुशासनहीनता के कारण साल में छह महीने विश्वविद्यालयों में हड़तालें हो जाती हैं। तोड़-फोड़ करना तो विद्यार्थी का कर्तव्य बन गया है। छोटी-छोटी बातों में मारपीट हो जाती है।

अत: हर मनुष्य का कर्तव्य है कि अनुशासन का उल्लंघन न करे। यह विचित्र होते हुए भी कितना सत्य है कि अनुशासन एक प्रकार का बंधन है परंतु मनुष्य को स्वच्छंद रूप से अपने अधिकारों का पूरा सदुपयोग करने का अवसर भी प्रदान करता है। वह एक ओर बंधन है तो दूसरी ओर मुक्ति भी।

(i) गद्यांश में अनुशासन को माना गया है —

(क) बंधन से मुक्ति (ख) स्वच्छंदता और मुक्ति

(ग) एक ओर बंधन तो दूसरी ओर मुक्ति भी (घ) हड़तालों से निपटने का तरीका

(ii) मनुष्य का यह परम कर्तव्य माना जाता है कि वह —

(क) समाज के नियमों में आवश्यकतानुसार ढील दे सकता है।

(ख) अनुशासन के विरुद्ध तनिक भी आचरण न करे।

(ग) अनुशासनप्रिय लोगों के साथ रहे।

(घ) जीवन में अनुशासित रहे ; पर आदत डाले।

(iii) विश्वविद्यालयों में होने वाली हड़तालों का मुख्य कारण है —

(क) अध्ययन के प्रति उदासीनता (ख) परीक्षा समय से न होना

(ग) अनुशासनहीन छात्रों को प्रवेश देना (घ) अनुशासनहीनता

(iv) तोड़फोड़, परस्पर मारपीट तथा अन्य क्रियाकलापों द्वारा शिक्षण-संस्थाओं के वातावरण को दूषित किया जाना प्रमाण है —

(क) छात्रों के साथ भेदभाव का। (ख) छात्रों के अनुशासनहीन होने का।

(ग) शिक्षकों के द्वारा न पढ़ाये जाने का। (घ) अभिभावकों की उदासीनता का।

(v) जीवन में अनुशासित रहने से व्यक्ति —

(क) दब्बू बन जाता है।

(ख) उदासीन और निष्क्रिय हो जाता है।

(ग) उन्नति के लिए अनुकूल अवसर प्राप्त करता है।

(घ) साथियों के साथ तालमेल बिठा सकता है।

3	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।**	5

''हे राम–कथा के सृजनहार। भू पर श्री राम भक्त अविचल।

हे शुभ्र आचरण के पालक, हो गए अमर 'मानस' लिखकर।।

मर्यादा महिमा के गायक, ले रामभक्ति का वर अविचल।

बन सच्चे मानवता पोषक, हो गए भक्त कवि वर निश्छल

थे अपने युग के तेज प्रखर, कर चेता–युग महिमा बखान।

कर गए धन्य 'तुलसी' वसुधा, दे हमें 'राम' भगवान राम ।

तुम दीन–हीन समर्थों को, पावन शुभ सम्मतिदायक थे।

करके मर्यादा–संचालित, जन–मानस सौख्य प्रदायक थे।।

तुमने करुणा के भावों से, जग को कर समरस मग्न किया।

अति लोभ–ईर्ष्या–द्वेष–मोह के, पापों से मन मुक्त किया।।

तुम शिव–दधीचि–सा तेज लिए, पावन संदेश प्रसारक थे।

कपटी–क्रोधी–कायर जन को सद्–मुक्ति सुमार्ग प्रदायक थे।।

(i) कविता में गुणगान किया गया है,–

(क) कबीर का (ख) सूरदास का

(ग) तुलसीदास का (घ) रैदास का

(ii) पद्यांश की दूसरी पंक्ति में प्रयुक्त 'मानस' शब्द वाचक है–

(क) मानसरोवर का (ख) रामचरित मानस का

(ग) मानसिक जगत का (घ) मानुष जाति का

(iii) ''कपटी–क्रोधी–कायर जन'' में अलंकार है,–

(क) श्लेष (ख) यमक

(ग) अनुप्रास (घ) रूपक

(iv) 'जग को कर समरस मग्न' किया, का आशय है,-

(क) सुख-दुख में समान बनाया

(ख) संपत्ति-विपत्ति के प्रति-विरागी बनाया

(ग) क्रोध-शान्ति से अप्रभावित किया

(घ) मित्र-अमित्र को समान समझने के लिए कहा

(v) तुलसीदास ने अपनी रचनाओं में उस चरित्र की महिमा का गान किया जो,-

(क) देवत्वमय है (ख) मर्यादा-मंडित है।

(ग) विशिष्ट है। (घ) सबसे अधिक अनुपम है।

4 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

हे भारत के धवल रत्न हे देश-प्रेम के उन्मादी।

जीवन का बस एक ध्येय था, भारत माँ की आज़ादी।।

आज़ादी के लिए जन्मभर, तुमने नित संघर्ष किया।

अपना तन-मन-धन सब अर्पित तुमने सदा सहर्ष किया।

विश्व-क्रांति को, विश्व-प्रेम को तुमने नव आयाम दिया।।

भारत के इतिहास-पृष्ठ पर स्वर्णाक्षर में नाम दिया।।

कृष्ण भूमि के, भारत माँ के, गौरव तुम साकार रहे।

मेरे राजा! मेरे सैनिक! तुम सच्चे अवतार रहे।।

सारे जग में भारत की आज़ादी का नारा गूँजा।

चिरजीवी हो क्रांति-विश्व में, यह स्वर अति प्यारा गूँजा।।

भारत के बलिदानों का, तुमने जग को आभास दिया।

भारत की जनता को तुमने एक आत्म–विश्वास दिया।

'विश्व–प्रेम' की 'विश्व क्रांति' की अपनी वाणी छोड़ गए।।

मेरे राजा! तुम इस जग में अमर कहानी छोड़ गए।।

(i) कविता में वर्णन है,–

(क) भारत के मेहनती किसान का (ख) आज़ादी के लिए संघर्षशील सैनिक का

(ग) एक जुझारू सिपाही का (घ) एक देश–प्रेमी शासक का

(ii) भारतीय इतिहास में आपकी प्रसिद्धि हुई–

(क) देश–प्रेम के कारण

(ख) विश्व–प्रेम के कारण

(ग) विश्व–प्रेम को नया रूप देने के कारण

(घ) विश्व में प्रेम–भाव फैलाने के कारण

(iii) देश–प्रेम के उन्मादी सैनिकों ने भारतीय जनता को दिये,–

(क) विश्वक्रान्ति के विचार (ख) विश्व शान्ति के विचार

(ग) विश्व–प्रेम के विचार (घ) आत्म–निर्भरता के भाव

(iv) विश्व को भारत के बलिदानों से परिचित कराया,–

(क) भारत के नेताओं ने (ख) भारत के युवकों ने

(ग) अवतार रूप सैनिकों ने (घ) भारत के बड़े अधिकारियोंने

(v) 'अपना तन–मन–धन सब अर्पित तुमने सदा सहर्ष किया' में अलंकार है –

(क) अनुप्रास (ख) यमक

(ग) श्लेष (घ) रूपक

खण्ड–ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5	(क)	**निम्नलिखित वाक्यों के रचना के आधार पर भेद लिखिए –** (i) बालक खेलते-खेलते घर चला गया। (ii) सूर्योदय हुआ और चिड़ियाँ चहचहाने लगीं। (ख) 'सुधा लखनऊ चली गई है इसलिए घर पर नहीं मिली।' वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए।	3
6		**निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए।** (क) जगदीश कल मेरे लिए आम लाए थे। (कर्मवाच्य में) (ख) हरीश हँसाने पर भी नहीं हँसा। (भाववाच्य में) (ग) रामू द्वारा मेरे घर डाक पहुँचाई गई थी। (कर्तृवाच्य में) (घ) तुम्हारे पिताजी ने मुझे अपनी पुस्तक दी थी। (कर्मवाच्य में)	4
7		**निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए।** (क) आप वहां क्या कर रहे थे ? (ख) रजनी माला बना रही थी। (ग) हम कल वृंदावन जाने वाले हैं। (घ) जीवन दसवीं कक्षा में पढ़ रहा था।	4
8		निर्देशानुसार उत्तर दीजिए (क) 'अद्भुत' और 'हास्य' रसों के स्थायी भाव लिखिए। (ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में निहित रसों के नाम लिखिए। (i) नवल नवेली खड़ी पास में देख रही एकटक ठाढी। नैनों में भर रूप-माधुरी, प्रेम-बेल हिय में बाढ़ी।। (ii) कालचक्र की गति-देखो-वे भीमार्जुन भी चले गए। बड़े वीर बलवान, यशस्वी, इस चक्की में दले गए।	4
		खण्ड-ग	

		(पाठ्य-पुस्तक)	
9		निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2+2+1)** मुफ़स्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर एकांत में नयी कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया। गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, ज़रा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। (क) लेखक ने ट्रेन का सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा था ? क्या उनका टिकट खरीदने का उद्देश्य पूरा हुआ ? (ख) लेखक किस प्रकार के डिब्बे में चढ़ गए थे और डिब्बे में उन्हें कैसा वातावरण मिला ? (ग) ''सफ़ेदपोश'' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।	5
		निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-	
10(i)		बालगोबिन भगत ने अपने पुत्र की मृत्यु के बाद पतोहू के साथ कैसा व्यवहार किया? उनके इस व्यवहार को आप कहाँ तक उचित मानते हैं?	2
(ii)		नवाब साहब द्वारा खीरा खाए बिना डकार लिए जाने को आप उनकी कैसी और किस भाव से उपजी प्रक्रिया मानते हैं? स्पष्ट कीजिए।	2
(iii)		जिस कस्बे से हालदार साहब प्राय: गुजरा करते थे वहाँ कस्बे की दृष्टि से और क्या सुविधाएँ थी? वहाँ छात्र-छात्राओं की शिक्षा के लिए क्या व्यवस्था थी? क्या उसे आप पर्याप्त मानते हैं?	2

	(iv)	''मानवीय करुणा की दिव्य चमक'' शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।	2
	(v)	मृत्यु के उपरान्त फ़ादर कामिल बुल्के को कब और कहाँ किस विधि से दफनाया गया था? एक संन्यासी की शव-यात्रा में गण्यमान हिंदी विद्वानों की उपस्थिति उनके व्यक्तित्व की किस विशेषता की परिचायक है?	2
	11	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — (2+2+1)** एक के नहीं, दो के नहीं, ढेर सारी नदियों के पानी का जादू: एक के नहीं, दो के नहीं, लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा: एक की नहीं, दो की नहीं, हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म: (क) 'फ़सल' अनेक नदियों के पानी का जादू तथा करोड़ों हाथों के स्पर्श की गरिमा कैसे होती है? स्पष्ट कीजिए। (ख) ''हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुणधर्म'' का भाव स्पष्ट कीजिए। (ग) कविता तथा कवि के नाम लिखिए।	5
	12(i)	कवि 'उत्साह' कविता में निदाघ से तप्त धरा को बादलों द्वारा किस रूप में बदल देने की याचना करते हैं?	2
	(ii)	''थके पथिक की पंथा की'' में प्रयुक्त अलंकार बताकर इसका भाव स्पष्ट कीजिए।	2
	(iii)	गोपियों के अनुसार प्रीति की नदी में किसने पैर नहीं रखा है और उन्हें उसकी दृष्टि में क्या अभाव दिखाई दे रहा	2

		है ?	
	(iv)	कवि नागार्जुन के अनुसार फसल का उत्पादन किन–किन तत्वों के संयोग पर निर्भर होता है ? स्पष्ट कीजिए।	2
	(v)	कवि देव ने ''जग–मंदिर–दीपक सुंदर'' तथा ''ब्रजदूलह'' शब्द किसके लिए प्रयोग किये हैं ? इन शब्दों के प्रयोग की सार्थकता संक्षेप में सिद्ध कीजिए।	2
	13	''माता का अँचल'' के आधार पर बच्चों के पालन पोषण में माता–पिता की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।	5
		खण्ड–घ **(लेखन)**	
		दिए गए संकेत–बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।	
	14(i)	**साक्षरता–अभियान** • भूमिका • साक्षरता की महत्ता • अभियान की उपयोगिता • कठिनाइयाँ • उपसंहार	10

		अथवा	
	(ii)	**भारतीय किसान** • भूमिका • किसान का जीवन–अभावपूर्ण • गरीबी और संघर्ष • उपाय • उपसंहार	10
		अथवा	
	(iii)	**'ग्लोबल वार्मिंग और जन–जीवन'** • भूमिका • ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ व स्वरूप • हानियाँ और खतरे • बचाव के उपाय • उपसंहार	10
	15	विद्यालय परिसर में आपकी कीमती घड़ी कहीं गिर गई, उसे ढूँढ़ने में आपके सहपाठी अमित ने बडी मदद की, उसे मदद देने के लिए हार्दिक धन्यवाद देते हुए पत्र लिखें।	5
	16	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका एक तिहाई शब्दों में सार लिखिए —** आज आवश्यकता है कि हिंदी बालसाहित्य की परंपरा को निरंतर विस्तार दिया जाए ताकि वे बच्चे जो टेलीविजन और इंटरनेट के कारण साहित्य से कट गये हैं उन्हें वापस पुस्तकों की दुनिया में लाया जाए और यह जानते हुए कि पढ़ना एक चारित्रिक विशेषता है जिसका अभ्यास धीरे–धीरे बचपन से किया जाता है। बच्चों के लिए ज्ञान–विज्ञान और संवेदनशीलता से भरपूर मौलिक सामग्री उपलब्ध करायी जाए। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सामग्रियाँ बच्चों के ज्ञान और मनोरंजन संबंधी ज़रूरतों को तो निश्चय ही पूरा कर रही हैं, किंतु वह बच्चों को अपने समाज से काटकर उनमें एक ख़ास दायरे में शामिल हो जाने की भूख भी पैदा कर रही है। यह दायरा ह कामयाब उपभोक्ता का; जिसमें अपने सुख–सुविधा के लिए सभी कुछ खरीद लेने का सामर्थ्य है।	5

		-o0o0o0o-	